1 to 3

University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS OF M. PHIL (Semester)

M.Phil . Sanskrit

Exam. 2016

Prepared by

Checked by

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

28/12/2015

संस्कृत विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

एम. फिल् (संस्कृत) पाठ्यक्रम –

संस्कृत पाठ्यक्रम समिति द्वारा अनुमोदित एम.फिल. (संस्कृत) का पाठ्यक्रम (

विश्वविद्यालय की एम.फिल. की परीक्षा दो चरणों (दो सेमेस्टर) में होगी। प्रथम सेमेस्टर पीएच.डी. कोर्सवर्क के साथ होगा। पीएच.डी. कोर्सवर्क पाठ्यक्रम तथा एम.फिल. प्रथम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम एक ही होगा। प्रथम सेमेस्टर की अवधि 6 माह की होगी।

इस पाठ्यक्रम में कुल चार प्रश्नपत्र होंगे जिनका प्रस्तावित पाठ्यक्रम नीचे दिया जा रहा है।

प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा जिसमें लिखित परीक्षा 80 अंक तथा आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक का होगा। किन्तु चतुर्थ प्रश्नपत्र परियोजना कार्य (Project Work) पूरे 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र का न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 (बाह्य तथा आंतरिक परीक्षा में पृथक्–पृथक् 40 प्रतिशत अंक) होगा तथा पीएच.डी. अथवा एम.फिल. में नामांकन की पात्रता हेतु कुल अंकों का योग 50 प्रतिशत होना अनिवार्य होगा। एम.फिल. (संस्कृत) प्रथम सेमेस्टर उत्तीर्ण विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर के योग्य होंगे।

सेमेस्टर–प्रथम

प्रथम प्रश्न पत्र	–	शोध प्रविधि (Research Methodology)
द्वितीय प्रश्नपत्र	–	भाषा साहित्य एवं संस्कृति (Language, Literature & Culture)
तृतीय प्रश्नपत्र	–	पाण्डुलिपि विज्ञान (Manuscriptology)

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

चतुर्थ प्रश्नपत्र – शोध निबन्ध, रूपरेखा निर्माण एवं तथ्य संकलन (Dessertation)

सेमेस्टर–द्वितीय (एम.फिल्. संस्कृत)

एम.फिल. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर में कुल **चार प्रश्नपत्र** होंगे, प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा, जिसमें 80 अंक की सैद्धान्तिक लिखित परीक्षा तथा 20 अंक की आन्तरिक परीक्षा होगी। चतुर्थ प्रश्नपत्र 100 अंक लघुशोध प्रबन्ध का ही होगा। उसमें आन्तरिक परीक्षा नहीं होगी।

एम.फिल्. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर की अवधि 6 माह की होगी। प्रत्येक प्रश्नपत्र का न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 प्रतिशत अंक (बाह्य तथा आंतरिक परीक्षा में पृथक्–पृथक् 40 प्रतिशत अंक) सहित कुल योग में 50 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नपत्र में प्रत्येक बिन्दु में से दो प्रश्न पूछते हुए चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। तृतीय प्रश्नपत्र में धर्म में से दो प्रश्न एवं दर्शन में से तीन प्रश्न तथा ज्योतिष में से तीन प्रश्न पूछते हुए चार के उत्तर अपेक्षित हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र – संस्कृत काव्यशास्त्र (80 अंक)

(1) संस्कृत काव्यशास्त्र के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ

(2) रस, अलंकार, रीति, गुण, ध्वनि, औचित्य एवं वक्रोक्ति।

(3) संस्कृत नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ एवं उनके शोधकार्यो का सर्वेक्षण।

(4) भरत, भामह, वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट, भोज, अभिनव गुप्त, धनंजय, धनिक, रूद्रट, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, रूय्यक, अप्पयदीक्षित, जयदेव आदि।

द्वितीय प्रश्नपत्र – संस्कृत व्याकरण (80 अंक)

(1). संस्कृत व्याकरण के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ।

(2) पाणिनी, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि।

(3) भट्टोजिदीक्षित, वरदराज आदि।

(4) व्याकरण पर हुए शोध कार्यों का सर्वेक्षण।

तृतीय प्रश्नपत्र – धर्म–दर्शन एवं ज्योतिष (80 अंक)

(1) बौद्ध, जैन, वैष्णव, शैव, शाक्त धर्मों का उद्भव एवं विकास।

(2) भारतीय षड्दर्शन में आत्मा, परमात्मा, ईश्वरब्रह्म, कार्यकारण सिद्धान्त, प्रमाण मीमांसा, बंधन एवं मोक्ष, कर्मसिद्धान्त।

(3) वर्षा के विविध योग एवं शकुन।

विविध भावों के योगायोग, ज्योतिष एवं खगोल गोल–परिभाषा–अक्षांश, रेखांश, भूपरिधि–का, ध्रुव, कदम्ब, स्थान, पलभा, खमध्य, अहोरात्र, नत, उन्नत, स्वस्तिक, उन्मण्डल, विषुवत्, पूर्वापर याम्योत्तर, अयन, निरक्ष, चर, ज्या, त्रिज्या, शंकु, शंकुतल, दिगंश, लग्न, शर।

चतुर्थ प्रश्नपत्र – शोध–निबन्ध लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (100 अंक)

Asstt. Registrar (Acad-I)
University of Rajasthan